म.प्र. राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्
सा विद्या या विमुक्तये

शिक्षा का अधिकार
सर्व शिक्षा अभियान
सब पढ़ें सब बढ़ें
मध्य प्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल

TESS India

अंग्रेजी
हाई स्कूल/हायर सेकेण्डरी

समग्र-कक्षा पठन गतिविधियाँ

भारत में विद्यालय समर्थित शिक्षक शिक्षा

www.TESS-India.edu.in

http://creativecommons.org/licenses/

The Open University

UKaid from the British people

एस.आर.मोहन्ती
अपर मुख्य सचिव

अ.शा.पत्र क्र R.S.K/10
दूरभाष कार्यालय - 0755-4251330
मध्यप्रदेश शासन
स्कूल शिक्षा विभाग
मंत्रालय, वल्लभ भवन, भोपाल-462 004
भोपाल, दिनांक 20-1-2016

संदेश

प्रिय शिक्षक साथियों,

बच्चों की शिक्षा को गुणवत्तापूर्ण और रोचक बनाने के लिए स्कूल शिक्षा विभाग निरन्तर प्रयासरत् है। आप सभी के प्रयासों से शिक्षकों के शिक्षण कौशल में भी निखार आया है और शालाओं में कक्षा शिक्षण भी आंनददायी तथा बेहतर हुआ है।

इसी दिशा में शिक्षकों को बाल केन्द्रित शिक्षण की ओर उन्मुख करने और शिक्षक प्रशिक्षण की गुणवत्ता को बेहतर बनाने के उद्देश्यों को लेकर, TESS India द्वारा मुक्त शैक्षिक संसाधनों (Open Educational Resources) का विकास किया गया हैं। इनका उपयोग शिक्षण कार्य में सहजता व सुगमतापूर्वक किया जा सकता है। आशा है कि ये संसाधन, शिक्षकों एवं शिक्षक प्रशिक्षकों के व्यावसायिक उन्नयन और क्षमतावर्द्धन में लाभकारी और उपयोगी सिद्ध होंगे।

राज्य शिक्षा केन्द्र के संयुक्त तत्वाधान में TESS India द्वारा स्थानीय भाषा में तैयार किये गये मुक्त शैक्षिक संसाधनों (Open Educational Resources) को www.educationportal.mp.gov.in पर भी उपलब्ध कराया गया हैं। आशा है इन संसाधनों के उपयोग से प्रदेश के शिक्षक और शिक्षक प्रशिक्षक लाभान्वित होंगे और कक्षाओं में पठन पाठन को रूचिकर और गुणवत्तायुक्त बनाने में मदद मिलेगी।
शुभकामनाओं सहित,

(एस.आर.मोहन्ती)

दीप्ति गौड मुकर्जी
आयुक्त
राज्य शिक्षा केन्द्र एवं
सचिव
मध्यप्रदेश शासन
स्कूल शिक्षा विभाग

अर्द्ध शा. पत्र क्र. : 8
दिनांक : 12-1-16
पुस्तक भवन, वी-विंग
अरेरा हिल्स, भोपाल-462011
फोन : (का.) 2768392
फैक्स : (0755) 2552363
वेबसाइट : www.educationportal.mp.gov.in
ई-मेल : rskcommmp@nic.in

संदेश

प्रिय शिक्षक साथियों,

सभी बच्चों को रूचिकर और बाल केन्द्रित शिक्षा उपलब्ध हो इसके लिए आवश्यक है कि हमारे शिक्षकों को शिक्षण की नवीनतम तकनीकों और शिक्षण विधियों से परिचित कराया जाए साथ ही इन तकनीकों के उपयोग के लिए उन्हे प्रोत्साहित भी किया जाए। TESS India द्वारा तैयार किये गये मुक्त शैक्षिक संसाधनों (Open Educational Resources) के उपयोग से शिक्षक शिक्षण प्रविधि के व्यावहारिक उपयोग को सीख सकते हैं। इनकी सहायता से शिक्षक न केवल विषय वस्तु को सुगमता पूर्वक पढ़ा सकते हैं बल्कि पठन पाठन की इस प्रक्रिया में बच्चों की अधिक से अधिक सहभागिता भी सुनिश्चित कर सकते हैं।

राज्य शिक्षा केन्द्र स्कूल शिक्षा विभाग ने स्थानीय भाषा में तैयार किये गये इन मुक्त शैक्षिक संसाधनों (Open Educational Resources) को अपने पोर्टल www.educationportal.mp.gov.in पर भी उपलब्ध कराया है।

आशा हैं, कि आप इन संसाधनों का कक्षा शिक्षण के दौरान नियमित रूप से उपयोग करेंगे और अपने शिक्षण कौशल में वृद्धि करते हुए बच्चों की पढ़ाई को आनंददायक बनाने का प्रयास करेंगे।

शुभकामनाओं सहित,

(दीप्ति गौड मुकर्जी)

शिक्षा का अधिकार
सर्व शिक्षा अभियान
सब पढ़ें सब बढ़ें

टेस–इण्डिया स्थानीयकृत ओईआर निर्माण में सहयोग

मार्गदर्शन एवं समीक्षा :
श्रीमती स्वाति मीणा नायक, अपर मिशन संचालक, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल
डॉ. एच. के. सेनापति, प्राचार्य, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र.
डॉ. ओ.पी.शर्मा, अपर संचालक, मध्यप्रदेश एससीईआरटी
डॉ. अशोक कुमार पारीक उपसंचालक, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल
श्री आर. पी. त्रिपाठी, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल
प्रो.जयदीप मंडल, विभागाध्यक्ष विज्ञान एवं गणित शिक्षा संकाय, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र.
डॉ. आर. रायजादा, सहप्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष विस्तार शिक्षा, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र.
डॉ. वी.जी. जाधव, से.नि. प्राध्यापक भौतिक, एनसीईआरटी
डॉ. के. बी. सुब्रमण्यम से.नि. प्राध्यापक गणित, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र.
डॉ. आई. पी. अग्रवाल से.नि. प्राध्यापक विज्ञान, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र.
डॉ. अश्विनी गर्ग सहा. प्राध्यापक गणित संकाय, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र.
डॉ. एल. के. तिवारी, सहप्राध्यापक विज्ञान, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र.
श्री एल.एस.चौहान, सहा. प्राध्यापक विज्ञान, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र.
डॉ. श्रुति त्रिपाठी, सहा. प्राध्यापक अंग्रेजी, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र.
डॉ. रजनी थपलियाल, व्याख्याता अंग्रेजी, ईएलटीआई, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल
डॉ. मधु जैन, व्याख्याता शास. उच्च शिक्षा उत्कृष्टता संस्थान, भोपाल
डॉ. सुशोवन बनिक, सहा. प्राध्यापक क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र.
डॉ. सौरभ कुमार मिश्रा, सहा. प्राध्यापक क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र.
श्री. अजी थॉमस, सहा. प्राध्यापक क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र.
डॉ. राजीव कुमार जैन, सहा. प्राध्यापक क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल म.प्र.
स्थानीयकरण :
भाषा एवं साक्षरता
डॉ. लोकेश खरे, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल
डॉ. एम.एल. उपाध्याय से.नि. व्याख्याता शास. उत्कृष्ट उ.मा.विद्यालय मुरैना
श्री रामगोपाल रायकवार ,कनि. व्याख्याता, डाइट कुण्डेश्वर, टीकमगढ़
डॉ. दीपक जैन अध्यापक, शास. उत्कृष्ट उ.मा.विद्यालय क्र 1 टीकमगढ़
अंग्रेजी
श्री राजेन्द्र कुमार पाण्डेय, प्राचार्य, ईएलटीआई, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल
श्रीमती कमलेश शर्मा. डायरेक्टर , ईएलटीआई, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल
श्री हेमंत शर्मा, प्राचार्य, ईएलटीआई, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल
श्री मनोज कुमार गुहा वरि. व्याख्याता, एससीईआरटी. मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल
डॉ. एफ.एस.खान, वरि.व्याख्याता, प्रगत शैक्षिक अध्ययन संस्थान (आईएएसई) भोपाल
श्री सुदीप दास, प्राचार्य, शास.उ.मा.विद्यालय दालौदा, मन्दसौर
श्रीमती संगीता सक्सेना, व्याख्याता, ,शास.कस्तूरबा कन्या उ.मा.विद्यालय भोपाल
गणित
श्री बी.बी. पी. गुप्ता, समन्वयक गणित, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल
श्री ए. एच. खान प्राचार्य शास.उ.मा.विद्यालय रामाकोना, छिंदवाड़ा
डॉ. राजेन्द्र प्रसाद गुप्त , प्राचार्य शास. जीवाजी ऑब्जर्वेटरी उज्जैन
डॉ.आर,सी. उपाध्याय, वरि. व्याख्याता, डाइट, सतना
डॉ. सीमा जैन, व्याख्याता, शास. कन्या उ.मा.विद्यालय गोविन्दपुरा, भोपाल
श्री सुशील कुमार शर्मा, शिक्षक, शास. लक्ष्मी मंडी उ.मा.विद्यालय, अशोका गार्डन, भोपाल
विज्ञान
डॉ. अशोक कुमार पारीक उपसंचालक, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र भोपाल
डॉ. सुसम्मा जॉनसन, व्याख्याता एस.आई.एस.ई. जबलपुर मध्यप्रदेश
डॉ.सुबोध सक्सैना, समन्वयक एससीईआरटी मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र भोपाल
श्री आर. पी. त्रिपाठी, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल
श्री अरूण भार्गव, वरि. व्याख्याता, एससीईआरटी, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र भोपाल
श्रीमती सुषमा भट्ट, वरि.व्याख्याता, एससीईआरटी, मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल
श्री ब्रजेश सक्सेना, प्राचार्य, एससीईआरटी ,मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल
डॉ. रेहाना सिद्दकी से.नि. व्याख्याता सेन्ट फ्रांसिस हा. से. स्कूल भोपाल

*TESS-India (*विद्यालय समर्थित शिक्षक शिक्षा*)* का उद्देश्य मुक्त शैक्षिक संसाधनों की सहायता से भारत में प्रारंभिक और सेकेण्डरी शिक्षकों के कक्षा अभ्यास व कक्षा निष्पादन को सुधारना है जिसमें वे इन संसाधनों की सहायता से विद्यार्थी - केंद्रित, सहभागी दृष्टिकोणों का विकास कर सकें। टेस इंडिया के मुक्त शैक्षिक संसाधन शिक्षकों के लिए स्कूल पाठ्य पुस्तक के अतिरिक्त, सहयोगी पुस्तिका या संसाधन की तरह हैं। इसमें शिक्षकों के लिए कुछ गतिविधियां दी गई हैं जिन्हे वे कक्षाओ में विद्यार्थियों के साथ प्रयोग में ला सकते हैं, इसके साथ साथ कुछ केस स्टडी दी गई हैं जो यह बताती हैं कि कैसे अन्य शिक्षकों ने पाठ्य विषय को कक्षाओं में पढ़ाया और अपनी विषय संबंधी जानकारियों को बढ़ाने तथा पाठ योजनाओं को तैयार करने में संसाधनों का उपयोग किया।

TESS-India OER भारतीय पाठ्यक्रम और संदर्भों के अनुकूल भारतीय तथा अंतर्राष्ट्रीय लेखकों के सहयोग से तैयार किये गये है और ये ऑनलाइन तथा प्रिंट रूप में उपयोग के लिए उपलब्ध हैं *(http://www.tess-india.edu.in)*। *OER* कार्यक्रम से जुड़े प्रत्येक भारतीय राज्य के शिक्षकों के उपयोग के लिए उपयुक्त तथा कई संस्करणों में उपलब्ध हैं तथा शिक्षक व उपयोगकर्ता इन्हे अपनी स्थानीय आवश्यकताओं और सन्दर्भों के अनुरूप इनका स्थानीयकरण करके उपयोग कर सकते हैं।

प्रस्तुत संस्करण मध्यप्रदेश की स्थानीय आवश्यकताओं और संदर्भों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है।

वीडियों संसाधन

इस इकाई में कुछ गतिविधियों के साथ यह आइकॉन दिया गया है*:* *.* इसका अर्थ है कि आप उक्त विशिष्ट विषयवस्तु या शैक्षणिक प्रविधि को और अधिक समझने के लिए *TESS-India* के वीडियो संसाधनों की मदद ले सकते हैं।

TESS-India वीडियो ससांधन (Resources) भारतीय परिप्रेक्ष्य में कक्षाओं में उपयोग की जा सकने वाली सीखने–सिखाने की विविध तकनीकों को दर्शाते हैं। हमें यकीन है कि इनसे आपको इसी प्रकार की तकनीकें अपनी कक्षा में करने में मदद मिलेगी। यदि इन वीडियो संसाधनों तक आपकी पहुँच नहीं हो तो कोई बात नहीं। यह वीडियो पाठ्यपुस्तक का स्थान नहीं लेते, बल्कि उसको पढ़ाने में आपकी मदद करते हैं।

TESS-India के वीडियो संसाधनों को *TESS-India* की वेबसाइट *http://www.tess-india.edu.in/* पर ऑनलाइन देखा जा सकता है या डाउनलोड किया जा सकता है*)*। इसके अतिरिक्त आप इन वीडियो को सीडी या मेमोरी कार्ड में लेकर भी देख सकते हैं।

संस्करण 2.0 SE05v1
Madhya Pradesh

तृतीय पक्षों की सामग्रियों और अन्यथा कथित को छोड़कर, यह सामग्री क्रिएटिव कॉमन्स एट्रिब्यूशन–शेयरएलाइक लाइसेंस के अंतर्गत उपलब्ध कराई गई है: http://creativecommons.org/licenses/by-sa/3.0/
TESS-India is led by The Open University UK and funded by UK aid from the UK government

यह इकाई किस बारे में है

अंग्रेजी भाषा में पठन के अध्यापन पर National Curriculum Framework (2005) में जोर दिया गया है। विद्यार्थियों को स्वयं अपनी सफलता के लिए और अपने समुदाय में योगदान करने हेतु अच्छे पठन कौशलों से सुसज्जित होना चाहिए। यदि आप अंग्रेजी भाषा को स्वतंत्र रूप से पढ़ने के कौशलों को विकसित करने में विद्यार्थियों की मदद कर सकते हैं, तो आप उनके भावी जीवन में सहायता कर रहे होंगे। पठन एक अंतरण-योग्य कौशल भी है, इसलिए अंग्रेजी भाषा में विद्यार्थियों के पठन कौशलों में सुधार से उन्हें उनकी अन्य भाषाओं में भी बेहतर पाठक बनने में मदद मिलेगी।

किसी भी भाषा के अच्छे पाठक जो कुछ पढ़ रहे होते हैं उसे समझने में अपनी मदद के लिए कतिपय तकनीकों का उपयोग करते हैं। पाठ को पढ़ते समय वे अपने आप से प्रश्न पूछते हैं। वे जो कुछ पढ़ रहे होते हैं उसे समझने के लिए दुनिया के बारे में अपने बोध का उपयोग करते हैं। वे उन बातों की पहचान करते हैं जिन्हें समझना और याद रखना महत्वपूर्ण होता है। अपने अंग्रेजी भाषा अध्यायों में, आप इनमें से कुछ तकनीकों को सीखने में अपने विद्यार्थियों की मदद कर सकते हैं।

इस इकाई में आप ऐसी तकनीकों का अध्ययन करेंगे जिनका उपयोग आप विद्यार्थियों के स्वतंत्र पाठक बनने में मदद करने के लिए कर सकते हैं, खास तौर पर जब वे मौन रहकर अपने बलबूते पर पढ़ते हैं। ये तकनीकें उन्हें उन विविध और जटिल पाठों को समझने में मदद करेंगी जो उन्हें अपनी कक्षाओं और परीक्षाओं के लिए, और विद्यालय से परे अपने जीवन में भी पढ़ने हैं।

इस इकाई से आप क्या सीख सकते हैं

- अंग्रेजी भाषा में समझने के लिए पठन की तकनीकें।
- अंग्रेजी भाषा पाठों के साथ विद्यार्थी की अधिक गहरी संलग्नता को प्रोत्साहित करने वाली कक्षागत गतिविधियाँ।
- पठन में सहायक समूहकार्य गतिविधियाँ।

1 जब आप पढ़ते हैं तब प्रश्न पूछना

विद्यार्थी जो कुछ पढ़ रहे होते हैं उसके बारे में उनकी समझ को गहरा करने में उनकी मदद करने का एक तरीका है जब वे पढ़ रहे हों तब पाठ के विषय में अपने आप से प्रश्न पूछने के लिए उन्हें प्रोत्साहित करना।

ऐसे प्रश्न जिन्हें विद्यार्थी अपने आप से पूछ सकते हैं मोटे तौर पर दो प्रकार के होते हैं: तथ्यात्मक और आनुमानिक। तथ्यात्मक प्रश्नों के उत्तरों को पाठ में आसानी से पाया जा सकता है। इस प्रकार के प्रश्न आम तौर पर 'what', 'who', 'where', 'how many' और 'when' जैसे शब्दों से शुरू होते हैं।

आनुमानिक प्रश्न पाठकों से उन्होंने जो कुछ पढ़ा है उसके आधार पर निष्कर्ष निकालने को कहते हैं। इन प्रश्नों के उत्तर पाठ में स्पष्टतया घोषित नहीं होते हैं। इस प्रकार के प्रश्नों का उत्तर देने के लिए आपको अधिक गहरा सोचने तथा पाठ में जो कुछ दिया गया है और दुनिया के बारे में आपके ज्ञान के बीच संबंध स्थापित करने की जरूरत पड़ती है। इस प्रकार के प्रश्न निम्न प्रकार के शब्दों और वाक्यांशों से शुरू होते हैं:

- 'What do you think …?'
- 'Why do you think …?'
- 'How do you know …?'
- 'What if …?'

इन प्रश्नों के उत्तर हमेशा ही सही या गलत नहीं होते हैं। इस प्रकार के प्रश्न विद्यार्थियों को पाठ के साथ अधिक संलग्न होने, और उन्हें अधिक आलोचनात्मक ढंग से सोचने को प्रेरित करते हैं। (इस प्रकार के प्रश्नों के उदाहरणों के लिए देखें संसाधन 1, 'सोचने की प्रक्रिया को प्रोत्साहित करने के लिए प्रश्न पूछने का उपयोग करना'।)

यह सुनने के लिए कि एक शिक्षक विद्यार्थियों द्वारा उत्पन्न प्रश्नों का उपयोग पठन कार्य में कैसे करता है केस स्टडी 1 पढ़ें।

वीडियो: सोचने की प्रक्रिया को बढ़ावा देने के लिए प्रश्न पूछने का उपयोग करना

केस स्टडी **1:** श्री चक्रतोदी पाठ के बारे में अलग अलग प्रकार के प्रश्न पूछने में अपने विद्यार्थियों की मदद करते हैं।

श्री चक्रतोदी माध्यमिक सरकारी विद्यालय में अंग्रेजी भाषा पढ़ाते हैं। उन्होंने प्रयास किया कि उनके विद्यार्थी *पढ़ते समय प्रश्न पूछें।*

जब हम पाठ्यपुस्तक के एक अध्याय पर काम कर रहे थे [Central Board of Secondary Education, 2011a], मैंने गद्यांश की पहली पंक्ति – 'Mr Sunday Nana, his wife and four small children live in Koko Village, Nigeria' –पढ़ी और उनसे वे प्रश्न सोचने को कहा जो वे उसके विषय में पूछ सकते थे:

> Where is Koko Village? What is it like?
> Who is Mr Nana? What does his
> name mean?

फिर मैंने अगली पंक्ति पढ़ी: 'The village is like any other African village – picturesque, colourful and noisy.'

मैंने विद्यार्थियों से पूछा कि उनके पिछले प्रश्नों में से किसी का उत्तर दिया गया है या नहीं और उन्होंने कहा कि अब उनके पास गाँव के विषय में कुछ अधिक जानकारी है। तब मैंने उनसे दूसरे वाक्य के बारे में कुछ और प्रश्न सोचने को कहा।

> How is it 'picturesque', and
> what does that word mean?
> Why is it noisy?

मैंने विद्यार्थियों से अगले 15 मिनट गद्यांश को पढ़ने और उसे पढ़ते समय उनके मन में आए प्रश्नों को नोट करने को कहा। जब वे काम कर रहे थे तब मैंने कमरे में चक्कर लगाया और उन विद्यार्थियों की सहायता की जिन्हें कठिनाई हो रही थी। विद्यार्थियों द्वारा पूछे जा रहे प्रश्नों को देखना रोचक था, और इससे मुझे यह देखने में भी मदद मिली कि किन विद्यार्थियों को पाठ की बेहतर समझ थी।

गतिविधि 1: पाठ के बारे में प्रश्न पूछने में अपने विद्यार्थियों की मदद करना

केस स्टडी– 1 में, शिक्षक ने विद्यार्थियो से पाठ्यपुस्तक के एक गद्यांश को पढ़ते समय अलग अलग प्रकार के प्रश्नों को नोट करने को कहा। अपने विद्यार्थियों के साथ यह गतिविधि करने के लिए इन चरणों का पालन करें:

- कक्षा के शुरू होने से पहले, कोई अध्याय या किसी अध्याय का अंश चुनें। यह किसी भी तरह का गद्यांश हो सकता है, जैसे कोई साहित्यिक पाठ, यात्रा-विवरण या तथ्यात्मक पाठ। यह पाठ्यपुस्तक का अगला अध्याय, सहायक वाचन का गद्यांश हो सकता है।
- कक्षा में, अपने विद्यार्थियो से ऐसे शब्द या वाक्यांश बोलने के लिए कहें जिनका उपयोग प्रश्नों के आरंभ में किया जा सकता है (यदि आवश्यक हो तो उदाहरण देते हुए)। सुझावों को ब्लैकबोर्ड पर दो कालमों में लिखें, जैसे तालिका 1 में दर्शाया गया है।

तालिका **1** *ऐसे शब्दों या वाक्यांशों के उदाहरण जिनका उपयोग प्रश्नों के आरंभ में किया जा सकता है।*

Factual	Inferential
What …?	How …?
Where …?	How do you know …?
When …?	What if …?
Who …?	What do you think …?
Which …?	Why do you think …?
How many/much/often …?	Can you tell me more about …?

- विद्यार्थियो से चयनित पाठ (या पाठ के अंश) को वैयक्तिक रूप से और मौन होकर पढ़ने को कहें। जब वे पढ़ें, तब उन्हें अपने मन में पाठ के बारे में आने वाले प्रश्नों को नोट करना चाहिए। केस स्टडी 1 की तरह, पहली चंद पंक्तियाँ पढ़ें और कुछ उदाहरण दें।
- उन्हें जितने संभव हों उतने प्रश्न नोट करने के लिए दस मिनट दें। जब वे काम कर रहे हों, कमरे में घूमें और जहाँ आवश्यक हो वहाँ किसी भी विद्यार्थी की मदद करें।
- दस मिनट बाद, विद्यार्थियों से लिखना बंद करने को कहें और प्रश्नों के कुछ उदाहरण माँगें। उन्हें ब्लैकबोर्ड पर लिखें।

- ○ प्रश्नों को पढ़ें और विद्यार्थियों से पूछें:
- ○ कौन से प्रश्नों का उत्तर देना अधिक आसान हैं? क्यों?
- ○ कौन से प्रश्नों का उत्तर देना अधिक कठिन हैं? क्यों?
- ○ क्या किन्हीं प्रश्नों का उत्तर देना असंभव है?
- ○ क्या इस प्रकार के प्रश्न अध्याय को समझने में आपकी मदद करते हैं? क्यों (नहीं)?

विचार कीजिए

यहाँ इस गतिविधि को आजमाने के बाद आपके विचार करने के लिए कुछ प्रश्न दिए गए हैं। यदि संभव हो, तो इन प्रश्नों की चर्चा किसी सहकर्मी के साथ करें।

- आपके विद्यार्थियों ने किस प्रकार के प्रश्न लिखे? क्या वे अधिकतर तथ्यात्मक थे या आनुमानिक?
- क्या प्रश्न पूछने से पाठ के साथ आपके विद्यार्थियों की संलग्नता में सुधार हुआ?
- अगली बार आप अलग ढंग से क्या करेंगे?

विद्यार्थियों को इस प्रकार की गतिविधि शुरू में कठिन लग सकती है यदि वे इसके आदी नहीं हैं। अभ्यास से, वे कई तरह के प्रश्न पूछने में सक्षम होंगे, और इससे उनकी सृजनात्मकता और महत्वपूर्ण चिंतन कौशलों का विकास होगा।

2 अंग्रेजी भाषा पाठ को समझने के लिए मौजूदा ज्ञान का उपयोग करना

अच्छे पाठक जो कुछ वे पढ़ते हैं उसके बारे में प्रश्न पूछते हैं। वे उन प्रश्नों का उत्तर देने और पाठ को समझने में अपनी मदद के लिए संकेतों की तलाश करते हैं। वे उनको पाठ से मिलने वाली जानकारी और दुनिया के बारे में उनके पूर्व ज्ञान का उपयोग करके पाठ के मतलब के बारे में किसी तरह के निष्कर्ष पर पहुँचते हैं।

हम ऐसा हर दिन, मौखिक और लिखित संचार, दोनों में करते हैं। अक्सर यह इतना अधिक स्वचालित रूप से होता है कि हमें पता भी नहीं चलता कि वह जानकारी वार्तालाप या पाठ में शामिल नहीं थी। उदाहरण के लिए, निम्नलिखित वाक्यों को पढ़ें:

My wife and I tried to pack light, but we made sure that we didn’t forget our sleeping bags and special walking shoes. The last time I travelled, I had motion sickness so I also made sure that I packed some medicine to prevent vomiting.

पाठक इन वाक्यों से बहुत सारी जानकारी एकत्र कर सकता है:

- The author is married.
- The author is going on a trip.
- The author and his wife are going to do some walking, perhaps trekking or hiking.
- They may be camping and will not be sleeping in proper beds.
- The author is perhaps anxious or nervous.

यह जानकारी वाक्यों में स्पष्ट रूप से कही नहीं की गई थी, लेकिन पाठक जो कुछ लिखा गया था उसका उपयोग – दुनिया के बारे में अपने ज्ञान के साथ – जो कुछ कहा गया था उससे अधिक समझने के लिए कर सकता है। जब आप कोई पाठ पढ़ते हैं, तब आप जो कुछ पढ़ रहे होते हैं उसके बारे में निष्कर्षों पर स्वतः ही पहुँच जाते हैं, भले ही लेखक ने ऐसा नहीं कहा है। आप कोई बात क्यों हुई है, पात्रों ने किसी खास तरह से बर्ताव क्यों किया है, और उन्हें कैसा महसूस हो रहा है जैसे निष्कर्षों पर पहुँचते हैं।

बेशक, लोगों का दुनिया के बारे में ज्ञान इस आधार पर अलग अलग होता है कि वे वे कहाँ रहते हैं या उनके अनुभव क्या हैं। इसका अर्थ यह है कि लोग जो कुछ पढ़ते हैं उसके बारे में अलग अलग निष्कर्ष निकाल सकते हैं।

गतिविधि 2: पाठ को समझने में मौजूदा ज्ञान का उपयोग करना
अच्छे पाठक पाठ में जो कुछ है उसका और दुनिया के बारे में अपने ज्ञान का उपयोग करके जो कुछ वे पढ़ रहे होते हैं उसका मतलब निकालते हैं। आप निम्नलिखित चरणों का पालन करके इस कौशल को विकसित करने में अपने विद्यार्थियों की मदद कर सकते हैं: 1. कक्षा के सामने, अध्याय या अन्य पाठ से कोई पैराग्राफ चुनें। यह किसी भी तरह के पाठ का कोई भी अनुच्छेद हो सकता है। नीचे NCERT Class IX textbook *Beehive*.से उदाहरण के तौर पर लिया गया एक अनुच्छेद है In 1900, at the age of 21, Albert Einstein was a university graduate and unemployed. He worked as a teaching assistant, gave private lessons and finally

secured a job in 1902 as a technical expert in the patent office in Bern. While he was supposed to be assessing other people's inventions, Einstein was actually developing his own ideas in secret. He is said to have jokingly called his desk drawer at work the 'bureau of theoretical physics'.

2. विद्यार्थियों से अपने मन में या ऊँची आवाज में पैराग्राफ को पढ़ने को कहें।
3. ब्लैकबोर्ड पर निम्नलिखित तालिका बनाएं और विद्यार्थियों से उसकी नकल करने को कहें:

*तालिका **2** मौजूदा ज्ञान टेम्प्लेट।*

What I understand about Einstein from the paragraph (but is not directly stated)	How I understand this

4. विद्यार्थियो को बताएं कि आइंस्टीन के बारे में अनुच्छेद उन्हें ढेर सारी जानकारी देता है – उदाहरण के लिए 1900 में उनकी उम्र इत्यादि। उन्हें बताएं कि अनुच्छेद के पाठक भी आइंस्टीन के बारे में ऐसी बातों का अनुमान भी लगा सकते हैं जिन्हें पाठ में स्पष्टतया प्रकट नहीं किया गया है। उन्हें एक उदाहरण दें, और तालिका पूरी करें:

*तालिका **3** एक उदाहरण के साथ मौजूदा ज्ञान टेम्प्लेट।*

What I understand from the paragraph (but is not directly stated)	How I understand this
Perhaps he wasn't very rich	He had to work – he worked as a teaching assistant and gave private lessons

5. विद्यार्थियो से तालिका में कुछ और सुझाव जोड़ने के लिए कहें, और ब्लैकबोर्ड पर तालिका में नोट्स बनाएं।
6. अब उनसे पाठ्यपुस्तक से कुछ और अनुच्छेद पढ़ने को कहें। इसके बाद उनसे अनुच्छेदों के बारे में नोट्स से एक और तालिका पूरी करने को कहें। यह काफी चुनौतीपूर्ण गतिविधि हो सकती है, इसलिए विचारों को साझा करने और एक दूसरे की मदद करने के लिए विद्यार्थियों को जोड़ियों या समूहों में काम करने के लिए प्रोत्साहित करें।

विचार कीजिए

यहाँ इस गतिविधि को आजमाने के बाद आपके विचार करने के लिए कुछ प्रश्न दिए गए हैं। यदि संभव हो, तो इन प्रश्नों की चर्चा किसी सहकर्मी के साथ करें।

- क्या आपके विद्यार्थी पाठ के बारे में उन बातों को समझने में सक्षम थे जिन्हें प्रत्यक्ष रूप से नहीं कहा गया था? यदि हाँ, तो क्या वे कारण बताने में सक्षम थे?
- क्या आपको किसी समय हस्तक्षेप करने की जरूरत पड़ी? क्या आप अगली बार इस गतिविधि को संशोधित करेंगे? यदि हाँ, तो कैसे?
- कया इस गतिविधि ने आपके विद्यार्थियों के सीखने की प्रक्रिया का आकलन करने में आपकी मदद की?

यह गतिविधि पाठ को पढ़ते समय उपयोग में लाए जाने वाले कौशलों के बारे में अधिक जानने में विद्यार्थियों की मदद करती है, और पाठों को अधिक समझने और याद रखने में उनकी मदद करेगी। यह विद्यार्थियों के लिए कठिन हो सकता है, लेकिन अभ्यास करके वे बेहतर काम करने लगेंगे। तकनीक को किसी अन्य पाठ के साथ आजमाएं, और देखें कि आपके विद्यार्थी अधिक समझने में सक्षम हैं या नहीं।

3 पाठ के प्रमुख मुद्दों को पहचानना

माध्यमिक स्तर के पाठ अक्सर लंबे और बहुत सारी जानकारी से युक्त होते हैं। इस तरह के लंबे पाठों को पढ़ते समय संकेंद्रित रहना विद्यार्थियों के लिए काफी कठिन हो सकता है, और सारी जानकारी को याद रखना उनके लिए मुश्किल हो सकता है। इसलिए उनके लिए यह सीखना जरूरी है कि पढ़ते समय कैसे पहचान करें कि क्या अधिक महत्वपूर्ण है और कया कम महत्वपूर्ण है। वे ऐसा निम्न ढंग से कर सकते हैं:

- मुख्य वाक्यों, शब्दों या वाक्यांशों को रेखांकित या चिन्हित करके।
- पढ़ते समय मुख्य जानकारी के नोट्स बनाकर।

ऐसा करने से विद्यार्थियों को जो वे पढ़ रहे हैं उस पर संकेंद्रित रहने में मदद मिलती है, और इससे उन्हें उसे बेहतर ढंग से समझने में भी मदद मिलती है।

केस स्टडी **2:** श्रीमती शांता अपने विद्यार्थियों की यह पहचानने में मदद करती हैं कि पाठ में क्या महत्वपूर्ण है

श्रीमती शांता कक्षा 9 को अंग्रेजी भाषा पढ़ाती हैं। उनके विद्यार्थियो ने अभी-अभी एक परीक्षा दी है, और अधिकांश कक्षा ने बहुत अच्छा निष्पादन नहीं किया है। उन्होंने नोट्स लेने के तरीके के बारे में सीखने के लिए उनकी मदद करने का निश्चय किया ताकि वे भविष्य की परीक्षाओं के लिए जानकारी अधिक आसानी से स्मरण कर सकें।

विद्यार्थी यह जानना चाहते थे कि कैसे तय करना चाहिए कि क्या महत्वपूर्ण है। ज्योति ने उल्लेख किया कि जब वह कोई अध्याय पढ़ती है तो हर चीज महत्वपूर्ण लगती है। मैंने यह पहचानने में उनकी मदद करने के लिए कि क्या महत्वपूर्ण है एक गतिविधि करने का निश्चय किया। मैंने उनसे अपनी पाठ्यपुस्तक में फिल्म निर्देशक Alfred Hitchcock के बारे में एक गद्यांश देखने को कहा [Central Board of Secondary Education, 2011a]:

> Alfred Hitchcock was a man with a vivid imagination, strong creative skills and a passion for life. With his unique style and God-gifted wit he produced and directed some of the most thrilling films that had the audience almost swooning with fright and falling off their seats with laughter.
>
> Alfred Hitchcock was greatly influenced by American films and magazines. At the age of 20, he took up a job at the office of Paramount Studio, London. Using imagination, talent and dedication, he made each of his endeavours a success. He took great pleasure in working in the studio and often worked all seven days a week. He moved to the USA in 1939 and got his American citizenship in 1955. Here, he produced many more films and hosted a weekly television show. No matter from where his ideas came, whether a magazine article, a mystery novel or

incident, his films had the typical 'Hitchcock touch' – where the agony of suspense was relieved by interludes of laughter! Hitchcock was knighted in 1980.

मैंने उनसे गद्यांश को पहले मौन होकर पढ़ने को कहा, ताकि वे समझ सकें कि वह किस बारे में था। फिर मैंने उनकी बगल में बैठे व्यक्ति के साथ उस पर चर्चा करने को कहा। कुछ मिनट बाद विद्यार्थियों ने अपने हाथ उठाने शुरू कर दिए और बोले, 'We think this passage is about someone called Alfred Hitchcock. It describes the kind of person he was and that he made films।' अब मैंने उन्हें कुछ और निर्देश दिए:

> Pick out the words and phrases that relate to the main ideas. You can underline them in your textbook, and you can make notes in the margins. While picking out the words, phrases and so on, remember there is no need to underline or copy articles or prepositions or conjunctions. There is also no need to give examples. Leave out all repetitions of the same idea expressed in different words. Let's begin… which words and phrases tell us about Hitchcock?

हमने मिलकर हिचकॉक के बारे में निम्नलिखित बातों को रेखांकित किया।

Alfred Hitchcock was a man with a vivid imagination, strong creative skills and a passion for life. With his unique style and God-gifted wit he produced and directed some of the most thrilling films that had the audience almost swooning with fright and falling off their seats with laughter.

Alfred Hitchcock was greatly influenced by American films and magazines. At the age of 20, he took up a job at the office of Paramount Studio, London. Using imagination, talent and dedication, he made each of his endeavours a success. He took great pleasure in working in the studio and often worked all seven days a week. He moved to the USA in 1939 and got his American citizenship in 1955. Here, he produced many more films and hosted a weekly television show. No matter from where his ideas came, whether a magazine article, a mystery novel or incident, his films had the typical 'Hitchcock touch' – where the agony of suspense was relieved by interludes of laughter! Hitchcock was knighted in 1980.

The studnets then wrote their key points in the notebooks:

- Vivid imagination, strong creative skills, passion for life
- Unique style, God-gifted wit
- Produced/directed thrilling films
- Greatly influenced by American films and magazines
- Age 20 job Paramount Studio, London
- Great pleasure working - worked all seven days a week
- Moved to USA 1939; American citizenship 1955
- Produced more films, hosted weekly TV shows
- Ideas from - magazine articles, mystery novel, incident

- Films - typical ‘Hitchcock touch’ - agony of suspense, interludes of laughter
- Knighted 1980

अगली कक्षा में, मैंने उनके द्वारा हिचकॉक के बारे में बनाए गए नोट्स की समीक्षा करने को कहा, और पूछा कि क्या वे उस गद्यांश के मुख्य विचारों को स्मरण कर सकते हैं। यदि वे ऐसा कर सकते थे, तो उन्हें पता था कि उन्होंने अच्छे नोट्स बनाए थे। मैंने उन्हें बताया कि अब उन्होंने अपनी पढ़ाई का मार्ग खोज लिया है।

गतिविधि 3: कक्षा में आजमाएं – पहचानना कि क्या महत्वपूण है

केस स्टडी 2 में, शिक्षिका ने अपनी कक्षा को दिखाया कि पाठ में से मुख्य विचारों को कैसे चुनना और अनावश्यक विवरणों को कैसे छोड़ना चाहिए। अब नीचे दिए गए चरणों का अनुसरण करें और अपनी कक्षा में ऐसी ही गतिविधि आजमाएं:

1. कक्षा के सामने, अपनी पाठ्यपुस्तक या पूरक रीडर से कोई जीवनी या अन्य तथ्यात्मक पाठ चुनें।
2. कक्षा में, पाठ को मौन होकर पढ़ने के लिए अपने विद्यार्थियो को कुछ समय दें।
3. अपने विद्यार्थियो को जोड़ियों में संगठित करें। प्रत्येक जोड़ी को पाठ की प्रमुख बातों को रेखांकित करके मुख्य विचारों का चुनाव करना, और फिर उन्हें कागज पर लिखना चाहिए। ऐसा करने के लिए उन्हें समय सीमा दें; उदाहरण के लिए, पाठ की लंबाई और जटिलता के आधार पर, पाँच या दस मिनट।
4. कुछ जोड़ियों से उनके मुख्य बातें पढ़ने को कहें। शेष कक्षा को इस बात पर टिप्पणी करनी चाहिए कि क्या सभी मुख्य बातें पहचान ली गई हैं या कोई आवश्यक जानकारी छूट गई है या कोई अनावश्यक जानकारी शामिल हो गई है।

आप केवल एक या दो पैराग्राफ के साथ काम करके शुरू कर सकते हैं। जब विद्यार्थी आश्वस्त हो जायें तब आप उनसे अधिक बड़े अंशों के साथ काम करवा सकते हैं।

विचार कीजिए

यहाँ इस गतिविधि को आजमाने के बाद आपके विचार करने के लिए कुछ प्रश्न दिए गए हैं। यदि संभव हो, तो इन प्रश्नों की चर्चा किसी साथी शिक्षक के साथ करें।

- क्या आपके सभी विद्यार्थी इस गतिविधि के साथ जुड़े?
- जिन विद्यार्थियो को यह कठिन लगा उनके लिए आपने कैसे हस्तक्षेप किया और सीखने में सहायता की?
- इस गतिविधि के प्रति आपके विद्यार्थियों की सीखने की प्रक्रिया का आकलन आप कैसे करेंगे?

नोट करने के अच्छे कौशल आपके विद्यार्थियों के लिए उपयोगी होंगे। यदि वे उच्चतर शिक्षा के लिए जाते हैं, तो उन्हें लेक्चरों या शैक्षणिक लेखों या किताबों से नोट्स लेने की जरूरत पड़ेगी। कार्यस्थल पर या प्रशिक्षण के समय उन्हें निर्देशों को नोट करने की जरूरत पड़ सकती है।

पढ़ते समय बनाए गए नोट्स – उदाहरण के लिए, परीक्षा से पहले, रिपोर्ट लिखते समय इत्यादि के लिए पुनरावलोकन के साधनों के रूप में भी बहुत उपयोगी हो सकते हैं। नोट्स के उपयोगी होने के लिए, उन्हें स्पष्ट तौर पर लिखा गया और खोजने में आसान होने चाहिए। क्या अधिक या सबसे महत्वपूर्ण है इसकी पहचान करने में अपने विद्यार्थियों की मदद करने के अलावा, आप उन्हें नोट्स लेने, रखने और उनका प्रभावी ढंग से उपयोग करने के तरीके दिखा सकते हैं।

गतिविधि 4: नोट्स से पाठ का पुनर्निर्माण करना

यह गतिविधि जोड़ियों के लिए है, लेकिन चार के समूहों के लिए भी अनुकूलित की जा सकती है। इससे आपके विद्यार्थियों को जो कुछ महत्वपूर्ण है उसे चुनने और नोट करने के कौशल विकसित करने में मदद मिलेगी।

- कक्षा के सामने, पाठ्यपुस्तक से दो छोटे गद्यांश या अखबार से कोई संक्षिप्त रिपोर्ट या अन्य अंग्रेजी भाषा पाठ चुनें। यदि संभव हो तो, आप विद्यार्थियों से घर से कोई पाठ (उदाहरण के लिए अखबार से) लाने को भी कह सकते हैं।

- फिर अपने विद्यार्थियों को जोड़ियों में संगठित करें। जोड़ी के एक सदस्य को एक पाठ (पाठ 1), और जोड़ी के दूसरे सदस्य को दूसरा पाठ (पाठ 2) दें। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता यदि सभी विद्यार्थियों के पास अलग अलग पाठ हैं। आप अधिक चुनौतीपूर्ण पाठ उन विद्यार्थियों को जिन्हें पठन करने में अधिक आत्मवश्विास है और अधिक सरल पाठ कम आश्वस्त विद्यार्थियों को दे सकते हैं। (जोड़ी में कार्य पर आगे के मार्गदर्शन के लिए संसाधन 2 देखें।)
- विद्यार्थियों से उन्हें दिए गए पाठों को पढ़ने और सबसे महत्वपूर्ण बातों के बारे में एक कागज के टुकड़े पर या अपनी नोटबुकों में नोट्स बनाने को कहें। काम को पूरा करने के लिए विद्यार्थियों को पर्याप्त समय दें, और जब वे काम करें तब जोड़ियों के इर्द-गिर्द घूमें। यदि विद्यार्थियों को कठिनाई हो रही हो तो उनकी मदद करें।
- जब समय समाप्त हो जाए, तब विद्यार्थियों से अपने नोट्स की अदला-बदली करने को कहें। जोड़ी के प्रत्येक वयक्ति के पास अब उसके सहयोगी के नोट्स होने चाहिए।
- प्रत्येक विद्यार्थी को अब केवल नोट्स का उपयोग करते हुए गद्यांश को लिखने का प्रयास करना चाहिए। फिर, एक समय सीमा दें और विद्यार्थियों से उनसे जितना संभव हो उतना लिखने को कहें। हो सकता है कुछ विद्यार्थी समाप्त न करें – यह ठीक है।
- विद्यार्थियों से एक दूसरे के लिखित गद्यांशों को पढ़ने और मूल गद्यांशों के साथ उनकी तुलना करने को कहें। उनसे चर्चा करने को कहें कि क्या महत्वपूर्ण जानकारी शामिल की गई है, या क्या कोई जानकारी छूट गई है।

वीडियो: जोड़ी में कार्य का उपयोग करना

विचार कीजिए

यहाँ इस गतिविधि को आजमाने के बाद आपके विचार करने के लिए कुछ प्रश्न दिए गए हैं। यदि संभव हो, तो इन प्रश्नों की चर्चा किसी शिक्षक साथी के साथ करें।

- विद्यार्थियों ने गद्यांश को पुनर्निर्मित करना कितना आसान पाया? मदद के लिए उनको किस चीज की जरूरत पड़ी? क्या आपने गतिविधि को जरा सा भी संशोधित किया? यदि हाँ, तो कैसे? क्या आप अगली बार विद्यार्थियों की जोड़ियों या समूहों को अलग ढंग से संगठित करेंगे?
- अध्यापन और सीखने की प्रक्रिया के सामान्य तरीके के हिस्से के रूप में इन तकनीकों का उपयोग करने में आप विद्यार्थियों की मदद कैसे कर सकते हैं?

विशिष्ट तौर पर इस तरह की गतिविधि तथ्यात्मक पाठों के साथ अधिक आसान होती है, क्योंकि मुख्य बातों और तथ्यों को चुनना अधिक आसान होता है। साहित्यिक पाठ अधिक कठिन हो सकते हैं, क्योंकि मुख्य बातों के बारे में पाठकों के विचार अलग अलग होंगे। गतिवधियों को अलग अलग प्रकार के पाठों के साथ आजमाना, और आपके विद्यार्थियों के विचारों पर चर्चा करना दिलचस्प हो सकता है।

आप इस तरह की गतिविधियाँ पाठ्यपुस्तक या सहायकवाचक के अध्यायों के साथ कर सकते हैं। इस प्रकार, विद्यार्थियों उन पाठों के साथ काम करते हैं जिनका उन्हें अध्ययन करना है। उनका नियमित रूप से उपयोग करने का मतलब है आपके विद्यार्थी उन्हें बेहतर ढंग से और अधिक शीघ्रता से कर सकेंगे।

4 सारांश

अच्छे पाठक किसी भी भाषा में पढ़ते समय विविध प्रकार की तकनीकों का उपयोग करते हैं। वे:

- पाठ को पढ़ते समय उसके बारे में अलग अलग तरह के प्रश्न पूछते हैं
- जो कुछ वे पढ़ते हैं उसे समझने के लिए जिस भाषा को वे पढ़ते हैं उसके बारे में अपने ज्ञान और दुनिया के बारे में अपने ज्ञान का उपयोग करते हैं।

- पहचान करते हैं कि पाठ में क्या महत्वपूर्ण है ताकि वे पाठ को याद और आवश्यक होने पर पुनर्निर्मित कर सकें।

जब आपके विद्यार्थी अंग्रेजी भाषा के किसी भी तरह के पाठ को पढ़ते हैं तब इन कौशलों को विकसित करने में उनकी मदद करने के लिए आप रचनात्मक कक्षा गतिविधियों का उपयोग कर सकते हैं। इस प्रकार के कौशल अध्यायों और पाठों को बेहतर समझने में विद्यार्थियों की मदद करेंगे, और वे कक्षा के बाहर और अपने भावी जीवन में पाठों को पढ़ने में भी उनकी मदद करेंगे। किसी भी भाषा में किसी भी पाठ को पढ़ते समय उपयोग के लिए भी वे तकनीकें उपयोगी होंगी।

यदि आप अपने स्वयं के पठन कौशलों को विकसित करने में रुचि रखते हैं, तो आप कुछ युक्तियाँ और लिंक्स संसाधन 3 में पा सकते हैं। पठन के अध्यापन के बारे में लेखों के लिए लिंक्स आप अतिरिक्त संसाधन खंड में पा सकते हैं।

इस विषय पर अन्य सेकेन्डरी अंग्रेजी भाषा शिक्षक विकास इकाइयाँ ये हैं:

- समझने के लिए पठन का समर्थन करना: आप इस इकाई में पठन के बारे में अधिक जान सकते हैं। इसमें इस बात पर चर्चा की गई है कि अंग्रेजी भाषा पाठों को स्वतंत्र रूप से पढ़ने के तरीकों को विकसित करने के लिए आप अपने विद्यार्थियों को कैसे प्रोत्साहित कर सकते हैं।
- आमोद-प्रमोद के लिए पठन को प्रोत्साहित करना: इस इकाई में आप साहित्यिक पाठों को पढ़ाने के बारे में अधिक जान सकते हैं। यह समझने के लिए पठन का समर्थन करना के दृष्टिकोणों पर आधारित है।

संसाधन

संसाधन 1: सोचने की प्रक्रिया को बढ़ावा देने के लिए प्रश्न पूछने का उपयोग करना

शिक्षक हमेशा अपने विद्यार्थियों से सवाल पूछते रहते हैं; सवालों का अर्थ ये होता है कि शिक्षक सीखने और सीखते रहने में अपने विद्यार्थियों की मदद कर सकते हैं। एक अध्ययन के अनुसार औसतन, एक शिक्षक अपने समय का एक-तिहाई हिस्सा विद्यार्थियों से सवाल पूछने में खर्च करता है (हेस्टिंग्स, 2003)। पूछे गए प्रश्नों में से, 60 प्रतिशत में तथ्यों को दोहराया गया था और 20 प्रतिशत प्रक्रियात्मक थे (हैती, 2012), जिनमें से ज्यादातर के उत्तर सही या गलत में थे। लेकिन क्या सिर्फ सही या गलत में उत्तर वाले सवाल पूछने से सीखने को प्रोत्साहन मिलता है?

विद्यार्थियों से कई अलग अलग तरह के सवाल पूछे जा सकते हैं। शिक्षक किस तरह के उत्तर और परिणाम पाना चाहते हैं, उनसे पता चलता है कि शिक्षक को किस तरह के सवाल पूछने चाहिए। शिक्षक आमतौर पर विद्यार्थियों से सवाल पूछते हैं, ताकि वे:

- जब कोई नया विषय या सामग्री प्रस्तुत की जाती है, तो वे विद्यार्थियों को इसे समझने के लिए मार्गदर्शन कर सकें
- बेहतर ढंग से सोचने के लिए विद्यार्थियों को प्रोत्साहित कर सकें
- कोई त्रुटि दूर कर सकें
- विद्यार्थियों को प्रोत्साहित कर सकें
- समझ को जाँच सकें।

प्रश्नों का उपयोग आमतौर पर यह देखने के लिए किया जाता है कि विद्यार्थी क्या जानते हैं, इसलिए यह उनकी प्रगति का आंकलन करने के लिए महत्वपूर्ण है। प्रश्नों का उपयोग प्रेरणा देने, विद्यार्थियों के सोचने के कौशल को बढ़ाने और जिज्ञासु मन विकसित करने में भी किया जा सकता है। उन्हें मोटे तौर पर दो श्रेणियों में बाँटा जा सकता है:

- प्रारंभिक स्तर के प्रश्न, जिनसे कि तथ्यों का स्मरण और पहले सिखाया गया ज्ञान शामिल होता है, प्रायः बंद सिरे के प्रश्नों (हां या नहीं में उत्तर) से संबद्ध होते हैं।
- उच्च स्तर के प्रश्न, जिनके लिए ज्यादा सोचने की ज़रुरत होती है। उनके लिए विद्यार्थियों को पहले किसी उत्तर से सीखी गई जानकारी को एक साथ रखने या तार्किक रूप से किसी दलील का समर्थन करने की ज़रुरत पड़ सकती है। उच्च स्तर के प्रश्न प्रायः ज्यादा खुले सिरों वाले होते हैं।

खुले सवाल विद्यार्थियों को पाठ्यपुस्तक पर आधारित, यथाशब्द जवाबों से परे सोचने को प्रोत्साहित करते हैं, इसलिए उत्तरों की श्रेणी खींच निकालते हैं। इनसे शिक्षकों को भी सामग्री के बारे में fo|kFkhZ की समझ का आंकलन करने में मदद मिलती है।

विद्यार्थियों को उत्तर देने के लिए प्रोत्साहित करना

कई शिक्षक एक सेकंड से भी कम समय में अपने प्रश्न का उत्तर चाहते हैं और इसलिए अक्सर वे खुद ही प्रश्न का उत्तर दे देते हैं या प्रश्न को दूसरी तरह से दोहराते हैं (हेस्टिंग्स, 2003)। विद्यार्थियोंको केवल प्रतिक्रिया देने का समय मिलता है – उनके पास सोचने का समय ही नहीं होता! अगर आप उत्तर चाहने से पहले कुछ सेकंड इंतजार करते हैं तो विद्यार्थी को सोचने के लिए समय मिल जाएगा। इसका विद्यार्थियों की उपलब्धि पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। प्रश्न को प्रस्तुत करने के बाद इंतजार करने से निम्नांकित में वृद्धि होती है:

- विद्यार्थियों के उत्तरों की लंबाई
- उत्तर देने वाले विद्यार्थियों की संख्या
- विद्यार्थियों के प्रश्नों की बारंबारता
- कम सक्षम विद्यार्थियों के पास से उत्तरों की संख्या
- विद्यार्थियों के बीच सकारात्मक संवाद।

आपका उत्तर महत्वपूर्ण है

आप दिए गए सभी उत्तरों को जितने सकारात्मक ढंग से स्वीकार करते हैं, विद्यार्थी भी उतना ही ज्यादा सोचना और कोशिश करना जारी रखेंगे। यह सुनिश्चित करने के कई तरीके हैं कि गलत उत्तरों और गलत धारणाओं को सुधार दिया जाए, और यदि एक विद्यार्थी के मन में कोई गलत विचार है, तो आप निश्चित रूप से यह मान सकते हैं कि कई अन्य विद्यार्थियों के मन में भी वही गलत धारणा होगी। आप निम्नलिखित का प्रयास कर सकते हैं:

- उत्तरों के उन हिस्सों को चुन सकते हैं, जो सही हैं और एक सहायक ढंग से विद्यार्थी से अपने उत्तर के बारे में थोड़ा और सोचने के लिए कह सकते हैं। यह ज्यादा सक्रिय भागीदारी को प्रोत्साहित करता है और आपके विद्यार्थियों की अपनी गल्तियों से सीखने में मदद करता है। निम्नलिखित टिप्पणी यह दर्शाती है कि आप ज्यादा मददगार ढंग से किस प्रकार से गलत उत्तर पर प्रतिक्रिया दे सकते हैं: 'आप वाष्पीकरण से बनते बादलों के बारे में सही थे लेकिन मुझे लगता है कि हमें बारिश के बारे में आपने जो कहा है उसके बारे में थोड़ा और पता लगाने की जरूरत है। क्या आपमें से कोई और इस बारे में कुछ बता सकता है?'
- विद्यार्थियों से मिलने वाले सभी उत्तर ब्लैकबोर्ड पर लिखें, और विद्यार्थियों से पूछें कि वे इनके बारे में क्या सोचते हैं। उनके अनुसार कौन-से उत्तर सही हैं? कोई अन्य उत्तर देने का कारण क्या रहा होगा? इससे आपको यह समझने का एक मौक़ा मिलता है कि आपके विद्यार्थी किस तरीके से सोच रहे हैं और आपके विद्यार्थियों को भी एक मित्रवत तरीके से अपनी गलत धारणाओं को सुधारने का अवसर मिलता है।

सभी उत्तरों को ध्यान से सुनकर और आगे समझाने के लिए विद्यार्थियों को प्रेरित करके उन्हें महत्व दें। उत्तर चाहे सही हो या गलत, लेकिन यदि आप विद्यार्थियों से अपने उत्तरों को विस्तार में समझाने को कहते हैं, तो अक्सर विद्यार्थी अपनी गलतियाँ खुद ही सुधार लेंगे, आप एक विचारशील कक्षा का विकास करेंगे और आपको वास्तव में पता चलेगा कि आपके विद्यार्थी कितना सीख गए हैं और अब किस तरह आगे बढ़ना चाहिए। यदि गलत उत्तर देने पर अपमान या सज़ा मिलती है, तो दोबारा शर्मिंदगी या डांट के डर से आपके विद्यार्थी कोशिश करना ही छोड़ देंगे।

उत्तरों की गुणवत्ता को बेहतर बनाना

यह महत्वपूर्ण है कि आप प्रश्नों का एक ऐसा क्रम अपनाने की कोशिश करें, जो सही उत्तर पर ख़त्म न होता हो। सही उत्तरों के बदले फॉलो-अप प्रश्न पूछने चाहिए, जो विद्यार्थियों का ज्ञान बढ़ता है और उन्हें शिक्षक के साथ संलग्न होने का मौका देते है। यह आप इसके लिए पूछकर कर सकते हैं:

- एक *कैसे* या एक *क्यों* *a how or a why*
- उत्तर देने का एक और तरीका *another way to answer*
- एक बेहतर शब्द *a better word*
- किसी उत्तर को सही साबित करने के लिए प्रमाण *evidence to substantiate an answer*
- संबंधित कौशल का एकीकरण *integration of a related skill*
- उसी कौशल या तर्क का किसी नई स्थिति में अनुप्रयोग *application of the same skill or logic in a new setting*

विद्यार्थियों की ज्यादा गहराई में जाकर सोचने में मदद करना और उनके उत्तरों की गुणवत्ता को बेहतर बनाना आपकी भूमिका का बहुत ही महत्वपूर्ण हिस्सा है। निम्नलिखित कौशल अधिक उपलब्धि हासिल करने में विद्यार्थियों की मदद करते हैं:

- Prompting प्रोत्साहन के लिए विद्यार्थियों को उचित संकेत देने की ज़रुरत पड़ती है – ऐसे संकेत जिनसे विद्यार्थियों को उनके प्रश्नों को विकसित करने और सुधार में मदद मिलती हो। उत्तर में सही क्या है, आप पहले इसे चुनकर इसके बाद जानकारी, आगे के प्रश्न तथा अन्य संकेत दे सकते हैं। ('तो अगर आप कागज के अपने हवाई जहाज के अंतिम सिरे पर वजन रखते हैं तो क्या होगा?')
- Probing जांच-पड़ताल अधिक जानकारी पाने की कोशिश करने, एक अव्यवस्थित उत्तर को या आंशिक रूप से सही उत्तर को सुधारने की कोशिश में विद्यार्थी जो कहना चाहते हैं, उसे स्पष्ट करने में उनकी मदद करने से संबंधित है। ('तो इस सबका जो अर्थ है उसके बारे में आप मुझे और क्या बता सकते हैं?')

- Refreshing फिर से ध्यान केंद्रित करना सही उत्तरों के आधार पर विद्यार्थियों के ज्ञान को उस ज्ञान से जोड़ने से संबंधित होता है, जो उन्होंने पहले सीखा है। यह उनकी समझ को विकसित करता है। ('आपकी बात सही है, लेकिन पिछले सप्ताह हमने अपने स्थानीय पर्यावरण विषय के बारे में जो पढ़ रहे थे, यह उससे किस प्रकार संबंधित है?')
- Sequencing प्रश्नों को अनुक्रित करने का अर्थ है ऐसे क्रम में प्रश्न पूछना, जिन्हें सोच का विस्तार करने हेतु बनाया गया है। प्रश्नों के द्वारा विद्यार्थियों को सारांश बनाने, तुलना करने, समझाने और विश्लेषण करने की प्रेरणा मिलनी चाहिए। ऐसे प्रश्न तैयार करें, जिनसे विद्यार्थियों को सोचने की प्रेरणा मिले, लेकिन उन्हें इतनी ज्यादा भी चुनौती न दें कि प्रश्न का अर्थ ही खो जाए। ('स्पष्ट करें कि आप अपनी पहले की समस्या से किस प्रकार उबरे। उससे क्या फर्क पड़ा? आपको क्या लगता है आगे आपको किस चीज का सामना करने की जरूरत पड़ेगी?')
- Listening सुनने से आप न केवल अपेक्षित उत्तर पर गौर करने में समर्थ होते हैं, बल्कि इससे आप असाधारण या नवोन्मेषी उत्तरों के प्रति सतर्क होते हैं, जिसकी हो सकता है कि आपको अपेक्षा न रही हो। इससे यह भी दिखाई देता है कि आप विद्यार्थियों के विचारों को महत्व देते हैं और इसलिए इस बात की ज्यादा संभावना होती है कि वे सुविचारित उत्तर देंगे। इस तरह के उत्तर भ्रांतिया को चिह्नांकित कर सकते हैं, जिन्हें ठीक करने की जरूरत होती है अथवा वे एक नयी पहुंच दर्शा सकते हैं, जिन पर आपने विचार नहीं किया हो। ('मैंने इसके बारे में सोचा नहीं था। आप इस तरह से क्यों सोचते हैं इसके बारे में मुझे और जानकारी दें।')

एक शिक्षक के रूप में, आपको ऐसे प्रश्न पूछने चाहिए जो प्रेरित करने वाले और चुनौतीपूर्ण हों, ताकि आप अपने विद्यार्थियों से रोचक और आविष्कारक उत्तर पा सकें। आपको उन्हें सोचने का समय देना चाहिए और आप सचमुच यह देखकर चकित रह जाएंगे कि आपके विद्यार्थी कितना कुछ जानते हैं और आप सीखने में उनकी प्रगति में कितनी अच्छी तरह मदद कर सकते हैं।

याद रखें कि प्रश्न यह जानने के लिए नहीं पूछे जाते कि शिक्षक क्या जानते हैं, बल्कि वे यह जानने के लिए पूछे जाते हैं कि विद्यार्थी क्या जानते हैं। यह याद रखना महत्वपूर्ण है कि आपको कभी भी अपने खुद के प्रश्नों का जवाब नहीं देना चाहिए! आखिरकार यदि विद्यार्थियों को यह पता ही हो कि वे आगे कुछ सेकंड तक चुप रहते हैं, तो आप खुद ही उत्तर दे देंगे, तो फिर उन्हें उत्तर देने का प्रोत्साहन कैसे मिलेगा?

संसाधन 2: जोड़ी में किये गये कार्य का उपयोग करना

रोज़ाना की स्थितियों में लोग काम करते हैं, और साथ-साथ दूसरो से बोलते हैं और उनकी बात सुनते हैं, तथा देखते हैं कि वे क्या करते हैं और कैसे करते हैं। लोग इसी तरह से सीखते हैं। जब हम दूसरों से बात करते हैं, तो हमें नए विचारों और जानकारियों का पता चलता है। कक्षाओं में अगर सब कुछ शिक्षक पर केंद्रित होता है, तो अधिकतर विद्यार्थियों को अपनी पढ़ाई को प्रदर्शित करने के लिए या प्रश्न पूछने के लिए पर्याप्त समय नहीं मिलता। कुछ विद्यार्थी केवल संक्षिप्त उत्तर दे सकते हैं और कुछ बिल्कुल भी नहीं बोल सकते। बड़ी कक्षाओं में, स्थिति और भी बदतर है, जहां बहुत कम विद्यार्थी ही कुछ बोलते हैं।

जोड़ी में कार्य का उपयोग क्यों करें?

जोड़ी में कार्य विद्यार्थियों के लिए ज्यादा बात करने और सीखने का एक स्वाभाविक तरीका है। यह उन्हें विचार करने और नए विचारों तथा भाषा को कार्यान्वित करने का अवसर देता है। यह विद्यार्थियों को नए कौशलों और संकल्पनाओं के माध्यम से काम करने और बड़ी कक्षाओं में भी अच्छा काम करने का सुविधाजनक तरीका प्रदान करता है।

जोड़ी में कार्य करना सभी आयु वर्गों और लोगों के लिए उपयुक्त होता है। यह विशेष तौर पर बहुभाषी, बहुग्रेड कक्षाओं में उपयोगी होता है, क्योंकि एक दूसरे की सहायता करने के लिए जोड़ों को बनाया जा सकता है। यह सर्वश्रेष्ठ तब काम करता है जब आप विशिष्ट कार्यों की योजना बनाते हैं और यह सुनिश्चित करने के लिए नेमी प्रक्रियाओं की स्थापना करते हैं कि आपके सभी विद्यार्थी शिक्षण में शामिल हैं और प्रगति कर रहे हैं। एक बार इन नेमी प्रक्रियाओं को स्थापत कर लिए जाने के बाद, आपको पता लगेगा कि विद्यार्थी तुरंत जोड़ों में काम करने के अभ्यस्त हो जाते हैं और इस तरह सीखने में आनंद लेते हैं।

जोड़ी में कार्य करने के लिए गतिविधियाँ

आप शिक्षण के अभीष्ट परिणाम के आधार पर विभिन्न प्रकार के कामों का जोड़े में कार्य करने के लिए उपयोग कर सकते हैं। जोड़ी में कार्य को अवश्य ही स्पष्ट और उपयुक्त होना चाहिए ताकि सीखने में अकेले काम करने के मुकाबले साथ मिलकर काम करने में अधिक मदद मिले। अपने विचारों के बारे में बात करके, आपके विद्यार्थी स्वचालित रूप से खुद को और विकसित करने के बारे में विचार करेंगे। जोड़ी में कार्य करने में शामिल हो सकते हैं:

- 'विचार करें-जोड़ी बनाए-साझा करें': विद्यार्थी किसी समस्या या मुद्दे के बारे में खुद ही विचार करते हैं और फिर दूसरे विद्यार्थियों के साथ अपने उत्तर साझा करने से पूर्व संभावित उत्तर निकालने के लिए जोड़ों में कार्य करते हैं। इसका उपयोग वर्तनी, परिकलनों के जरिये कामकाज, प्रवर्गों या क्रम में चीजों को रखने, विभिन्न दृष्टिकोण प्रदान करने, कहानी आदि का पात्र होने का अभिनय करने आदि के लिए किया जा सकता है।

- जानकारी साझा करना: आधी कक्षा को विषय के एक पहलू के बारे में जानकारी दी जाती है; और शेष आधी कक्षा को विषय के भिन्न पहलू के बारे में जानकारी दी जाती है। फिर वे समस्या का हल निकालने के लिए या निर्णय करने के लिए अपनी जानकारी को साझा करने के लिए जोड़ी में कार्य करते हैं।
- सुनने जैसे कौशलों का अभ्यास करना: एक विद्यार्थी कहानी पढ़ सकता है और दूसरा प्रश्न पूछता है; एक विद्यार्थी अंग्रेजी भाषा में पैसेज पढ़ सकता है, जबकि दूसरा इसे लिखने का प्रयास करता है; एक विद्यार्थी किसी तस्वीर या डायग्राम का वर्णन कर सकता है जबकि दूसरा विद्यार्थी वर्णन के आधार पर इसे बनाने की कोशिश करता है।
- निर्देशों का पालन करना: एक विद्यार्थी कार्य पूरा करने के लिए दूसरे विद्यार्थी हेतु निर्देश पढ़ सकता है।
- कहानी सुनाना या भूमिका अदा करना: विद्यार्थी जो भाषा वे सीख रहे हैं, उसमें कहानी या संवाद बनाने के लिए जोड़ी में कार्य कर सकते हैं।

सभी को शामिल करते हुए जोड़ियों का प्रबंधन करना जोड़ी में कार्य करने का अर्थ सभी को काम में शामिल करना है। चूंकि विद्यार्थी भिन्न होते हैं, इसलिए जोड़ों का प्रबंधन इस तरह से करना चाहिए कि हरेक को जानकारी हो कि उन्हें क्या करना है, वे क्या सीख रहे हैं और आपकी अपेक्षाएं क्या हैं। अपनी कक्षा में जोड़े में कार्य को नेमी बनाने के लिए, आपको निम्नलिखित काम करने होंगे:

- उन जोड़ियों का प्रबंधन करना जिनमें विद्यार्थी काम करते हैं। कभी-कभी विद्यार्थी मैत्री जोड़ियों में काम करेंगे; कभी-कभी वे काम नहीं करेंगे। सुनिश्चित करें कि उन्हें बोध है कि आप उनके सीखने की प्रक्रिया को अधिकतम करने में सहायता करने के लिए जोड़ी तय करेंगे।
- अधिकतम चुनौती पेश करने के लिए, कभी-कभी आप मिश्रित योग्यता वाले और भिन्न भाषायी विद्यार्थियों के जोड़े बना सकते हैं ताकि वे एक दूसरे की मदद कर सकें; किसी समय आप एक स्तर पर काम करने वाले विद्यार्थियों के जोड़े बना सकते हैं।
- रिकॉर्ड रखें ताकि आपको अपने विद्यार्थियों की योग्यताओं का पता हो और आप उसके अनुसार उनके जोड़ी बना सकें।
- आरंभ में, विद्यार्थियों को पारिवारिक और सामुदायिक संदर्भों से उदाहरण लेकर, जहां लोग सहयोग करते हैं, जोड़े में काम करने के फायदे बताएं।
- आरंभिक कार्य को संक्षिप्त और स्पष्ट रखें।
- यह सुनिश्चित करने के लिए कि विद्यार्थी जोड़े ठीक वैसे ही काम कर रहे हैं जैसा आप चाहते हैं, उन पर नजर रखें।
- विद्यार्थियों को उनकी जोड़ी में उनकी भूमिकाएं या जिम्मेदारियां प्रदान करें, जैसे कि किसी कहानी से दो पात्र, या साधारण लेबल जैसे '1' और '2', या 'क' और 'ख')। यह कार्य उनके एक दूसरे का सामना करने से पूर्व करें ताकि वे सुनें।
- सुनिश्चित करें कि विद्यार्थी एक दूसरे के सामने बैठने के लिए आसानी से मुड़ या घूम सकें।

जोड़ी में कार्य के दौरान, विद्यार्थियों को बताएं कि उनके पास प्रत्येक काम के लिए कितना समय है और उनकी नियमित जांच करते रहें। उन जोड़ों की प्रशंसा करें जो एक दूसरे की मदद करते हैं और काम पर बने रहते हैं। जोड़ों को आराम से बैठने और अपने खुद के हल ढूंढने का समय दें – विद्यार्थियों को विचार करने और अपनी योग्यता दिखाने से पूर्व ही जल्दी से उनके साथ शामिल होने का प्रलोभन हो सकता है। अधिकांश विद्यार्थी हरेक के बात करने और काम करने के वातावरण का आनंद लेते हैं। जब आप कक्षा में देखते हुए और सुनते हुए घूम रहे हों तो नोट बनाएं कि कौन से विद्यार्थी एक साथ आराम में हैं, हर उस छात्र के प्रति सचेत रहें जिसे शामिल नहीं किया गया है, और किसी भी सामान्य गलतियों, अच्छे विचारों या सारांश के बिंदुओं को नोट करें।

कार्य के समाप्त होने पर आपकी भूमिका उनके बीच की कड़ियां जोड़ने की है जिनको विद्यार्थियों ने बनाया है। आप कुछ जोड़ों का चुनाव उनका काम दिखाने के लिए कर सकते हैं, या आप उनके लिए इसका सार प्रस्तुत कर सकते हैं। विद्यार्थियों को एक साथ काम करने पर उपलब्धि की भावना का एहसास करना पसंद आता है। आपको हर जोड़े से रिपोर्ट लेने की जरूरत नहीं है – इसमें काफी समय लगेगा - लेकिन आप उन विद्यार्थियों का चयन करें जिनके बारे में आपको अपने अवलोकन से पता है कि वे कुछ सकारात्मक योगदान करने में सक्षम होंगे और जिससे दूसरों को सीखने को मिलेगा। यह उन विद्यार्थियों के लिए एक अवसर हो सकता है जो आमतौर पर अपना विश्वास कायम करने हेतु योगदान करने में संकोच करते हैं।

यदि आपने विद्यार्थियों को हल करने के लिए समस्या दी है, तो आप कोई नमूना उत्तर भी दे सकते हैं और फिर उनसे जोडियों में उत्तर में सुधार करने के संबंध में चर्चा करने के लिए कह सकते हैं। इससे अपने खुद के शिक्षण के बारे में विचार करने और अपनी गलतियों से सीखने में उनकी सहायता होगी।

यदि आप जोड़ी में कार्य करने के लिए नए हैं, तो उन बदलावों के संबंध में नोट बनाना महत्वपूर्ण है जिन्हें आप कार्य, समयावधि या जोड़ों के संयोजनों में करना चाहते हैं। यह महत्वपूर्ण है क्योंकि आप इसी तरह सीखेंगे और इसी तरह अपने अध्यापन में सुधार करेंगे। जोड़े में कार्य का सफल आयोजन करना स्पष्ट निर्देशों और उत्तम समय प्रबंधन के साथ-साथ संक्षिप्त सार संक्षेपण से जुड़ा है – यह सब अभ्यास से आता है।

संसाधन 3: स्वयं अपनी अंग्रेज़ी का विकास करें

आपके स्वयं के पठन कौशलों का विकास करने के लिए कुछ युक्तियाँ और लिंक्स यहाँ प्रस्तुत हैं:

- अंग्रेजी भाषा पढ़ने के आपके कौशलों को विकसित करने का सर्वोत्तम तरीका है आपसे जितना हो सके उतना पढ़ना, जिसमें अंग्रेजी भाषा अखबार और पत्रिकाएं आदि शामिल हैं। सहकर्मियों और मित्रों के साथ अंग्रेजी भाषा पाठों का आदान-प्रदान करें। यदि संभव हो तो लाइब्रेरी का उपयोग करें।
- नियमित रूप से पढ़ें। हर सप्ताह पढ़ने के लिए समय निकालें, और यदि संभव हो, तो कोई शांत आरामदेह स्थान चुनें जहाँ आपका ध्यान भंग नहीं होगा।
- इस इकाई के बारे में आपके द्वारा पढ़ी गई तकनीकों का उपयोग करें। विद्यार्थी जो पढ़ रहे हैं उसके बारे में प्रश्न पूछें; अपनी अंग्रेजी भाषा और दुनिया के ज्ञान का उपयोग करके अंदाजा लगाएं कि पाठ का क्या अर्थ है; नोट्स लेने और पाठ को याद रखने या पुनर्निर्मित करने के लिए उनका उपयोग करने का अभ्यास करें।
- हर एक शब्द को समझने का प्रयास न करें। संदेश या विचार को समग्र रूप से समझने का प्रयास करें। हर शब्द को शब्दकोश में न खोजें – यदि संभव हो तो शब्दों के अर्थ का अंदाजा लगाने का प्रयास करें, और केवल मुख्य शब्दों की तलाश करें। याद रखें कि आप पाठों को जितनी बार आप चाहें उतनी बार पढ़ सकते हैं।
- अंत में, जिन चीजों का आप आनंद लेते हैं उन्हें पढ़ें। यदि आपको मज़ा आता है तो कहानियाँ पढ़ें; या यदि आपको अपना समय बिताने के लिए क्रिकेट की खबरें पढ़ना पसंद हो तो ऐसा करें।

अपनी अंग्रेजी भाषा का विकास करने के लिए कुछ अतिरिक्त संसाधन यहाँ प्रस्तुत हैं:

- Stories and poems for learners of English (with activities): http://learnenglish.britishcouncil.org/en/stories-poems
- Articles about many different topics for learners of English (with audio and activities): http://learnenglish.britishcouncil.org/en/magazine
- BBC news for Asia: http://www.bbc.co.uk/news/world/asia/
- *The Times of India*: http://timesofindia.indiatimes.com/

अतिरिक्त संसाधन

- 'How useful are comprehension questions?' by Mario Rinvolucri: http://www.teachingenglish.org.uk/article/how-useful-are-comprehension-questions
- A series of articles by Dave Willis about reading: http://www.teachingenglish.org.uk/articles/reading-information-motivating-learners-read-efficiently
- 'Theories of reading' by Shahin Vaezi: part 1, http://www.teachingenglish.org.uk/articles/theories-reading; part 2, http://www.teachingenglish.org.uk/articles/theories-reading-2
- 'Reading matters: what is reading?' by Adrian Tennant: http://www.onestopenglish.com/skills/reading/reading-matters/reading-matters-what-is-reading/154842.article
- 'Interacting with texts – directed activities related to texts (DARTs)' by Cheron Verster: http://www.teachingenglish.org.uk/article/interacting-texts-directed-activities-related-texts-darts
- 'Success in reading': http://orelt.col.org/module/3-success-reading

संदर्भ/संदर्भग्रंथ सूची

Buckley, M. (2008) *An Indian Odyssey*. London: Hutchinson.

Central Board of Secondary Education (2011a) *Interact in English, Main Course Book: A Textbook for English Course (Communicative), Class X. Delhi:* Central Board of Secondary Education.

Central Board of Secondary Education (2011b) *Interact with English, Workbook: A Textbook for English Course (Communicative), Class IX*. Delhi: Central Board of Secondary Education.

Hastings, S. (2003) 'Questioning', *TES Newspaper*, 4 July. Available from: http://www.tes.co.uk/article.aspx?storycode=381755 (accessed 22 September 2014).

Hattie, J. (2012) Visible Learning for Teachers: Maximising the Impact on Learning. Abingdon: Routledge.

National Council of Educational Research and Training (2006) *Beehive: Textbook in English for Class IX*. New Delhi: National Council of Educational Research and Training.

अभिस्वीकृतियाँ

यह सामग्री क्रिएटिव कॉमन्स एट्रिब्यूशन-शेयरएलाइक लाइसेंस (http://creativecommons.org/licenses/by-sa/3.0/) के अंतर्गत उपलब्ध कराई गई है, जब तक कि अन्यथा निर्धारित न किया गया हो। यह लाइसेंस TESS-India, OU और UKAID लोगो के उपयोग को वर्जित करता है, जिनका उपयोग केवल TESS-India परियोजना के भीतर अपरिवर्तित रूप से किया जा सकता है।

कॉपीराइट के स्वामियों से संपर्क करने का हर प्रयास किया गया है। यदि किसी को अनजाने में अनदेखा कर दिया गया है, तो पहला अवसर मिलते ही प्रकाशकों को आवश्यक व्यवस्थाएं करने में हर्ष होगा।

वीडियो (वीडियो स्टिल्स सहित): भारत भर के उन अध्यापक शिक्षकों, मुख्याध्यापकों, अध्यापकों और विद्यार्थियों के प्रति आभार प्रकट किया जाता है जिन्होंने उत्पादनों में दि ओपन यूनिवर्सिटी के साथ काम किया है।